

---

kAtyAyanyaShTakam

——  
कात्यायन्यष्टकम्

——  
Document Information



---

Text title : kAtyAyanyaShTakam

File name : kaatyaani8.itx

Category : aShTaka, devii, otherforms, devI

Location : doc\_devii

Author : Traditional

Transliterated by : WebD

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : July 22, 2004

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 1, 2026

*sanskritdocuments.org*

---



कात्यायन्यष्टकम्



श्रीगणेशाय नमः ।

अवर्षिसंज्ञं पुरमस्ति लोके कात्यायनी तत्र विराजते या ।  
प्रसाददा या प्रतिभा तदीया सा छत्रपुर्यां जयतीह गया ॥ १ ॥

त्वमस्य भिन्नैव विभासि तस्यास्तेजस्विनी दीपजदीपकल्या ।  
कात्यायनी स्वाश्रितदुःखहर्त्री पवित्रगात्री मतिमानदात्री ॥ २ ॥

ब्रह्मोरुवेतालकसिंहदाढोसुभैरवैरग्निगणाभिधेन ।  
संसेव्यमाना गणपत्यभिख्या युजा च देवि स्वगणैरिहासि ॥ ३ ॥

गोत्रेषु जातैर्जमदग्निभारद्वाजाऽत्रिसत्काश्यपकौशिकानाम् ।  
कौण्डिन्यवत्सान्वयजैश्च विप्रैर्निजैर्निषेव्ये वरदे नमस्ते ॥ ४ ॥

भजामि गोक्षीरकृताभिषेके रक्ताम्बरे रक्तसुचन्दनाक्ते ।  
त्वां बिल्वपत्रीशुभदामशोभे भक्ष्यप्रिये हृत्प्रियदीपमाले ॥ ५ ॥


खड्गं च शङ्खं महिषासुरीयं पुच्छं त्रिशूलं महिषासुरास्ये ।  
प्रवेशितं देवि करैर्दधाने रक्षानिशं मां महिषासुरघ्ने ॥ ६ ॥

स्वाग्रस्थवाणेश्वरनामलिङ्गं सुरलोकं रुक्ममयं किरीटम् ।  
शीर्षं दधाने जय हे शरण्ये विद्युत्प्रभे मां जयिनं कुरूष्व ॥ ७ ॥


नेत्रावतीदक्षिणपार्श्वसंस्थे विद्याधरैर्नागगणैश्च सेव्ये ।  
दयाघने प्रापय शं सदास्मान्मातर्यशोदे शुभदे शुभाक्षि ॥ ८ ॥

इदं कात्यायनीदेव्याः प्रसादाष्टकमिष्टदम् ।  
कुमठाचार्यजं भक्त्या पठेद्यः स सुखी भवेत् ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीकात्यायन्यष्टकं सम्पूर्णम् ॥

——  
*kAtyAyanyaShTakam*

pdf was typeset on March 1, 2026

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

